

लेखनी से

1. उचित शब्द से रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए_

क. वृच्छ, नदी

ख. खजूर

ग. साधू

घ. हिरदै, आप

2. निम्नलिखित दोहे को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए_

निंदक नियरे राखिए ,आंगन कुटी छवाय ।

बिन पानी साबुन बिना, निर्मल करे सुभाय ॥

क. आलोचना या निंदा करने वाले को निंदक कहते हैं ।

ख. निंदक की कुटी घर के आंगन में होनी चाहिए ।

ग. निंदक को पास रखने से हमारे चरित्र का सुधार होता है । जब निंदक बुराई करता है , तो हमें अपने चरित्र के दोष पता चल जाते हैं और हम उन्हें सुधार लेते हैं ।

3. निम्नलिखित पंक्तियों को उनकी सही पंक्तियों से मिलाइए_

क. अति का भला न बरसना -- अति की भली न धूप ।

ख. परमारथ के कारने -- साधु धरा शरीर ।

ग. जाके हिरदे सांच है -- ताके हिरदे आप ।

घ. गुरु कुम्हार शिष्य कुंभ है -- गढि-गढि काढे खोट ।

ड. बड़ा हुआ तो क्या हुआहुआ-- जैसे पेड़ खजूर ।

इन प्रश्नों के कुछ शब्दों में उत्तर दीजिए_

1. जिसके हृदय में सच होगा उसके हृदय में भगवान होंगे ।

2. वृक्ष अपने फल स्वयं नहीं खाते तथा नदी अपने पानी को एकत्रित नहीं करती ।

3. संतो ने दूसरों का भला करने के लिए अपना शरीर धारण किया है ।

इन प्रश्नों के कुछ वाक्यों में उत्तर दीजिए_

1. कुम्हार घड़ा बनाते समय उसके अंदर हाथ से सहारा देता है और ऊपर से चोट मारता है ताकि उसकी खोट (दोष) निकल जाए इसी प्रकार गुरुजी अपने शिष्य के ऊपर बहुत सख्ती दिखाते हैं परंतु अंदर से उनके हित की बात सोचते हैं ।

2. कवि के अनुसार बड़ा होना तभी सार्थक है ,जब आप किसी के काम आ सकें । यदि दूसरों का भला नहीं कर सकते तो बड़े होने का कोई लाभ नहीं । जैसा खजूर का पेड़ बहुत बड़ा होता है परंतु वह किसी को छाया नहीं देता । फल भी लगते हैं तो इतनी दूर कि आसानी से तोड़कर खा नहीं सकते ।

3. कबीर दास जी ईश्वर से उतना धन मांगते हैं जितने में वह अपने परिवार का पालन पोषण कर सकें । परिवार में कोई भूखा ना रहे तथा यदि कोई अतिथि आ जाए तो वह भी भोजन कर सके, भूखा ना जाए ।

भाषा और व्याकरण

1. निम्नलिखित ब्रजभाषा के शब्दों के शुद्ध हिंदी रूप लिखिए_

शरीर, जिसके ,पीने से, कुटुंब, लगते हैं, हृदय ।

2. निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए_

क. मुझे बीस रुपये चाहिए ।

ख. अनेक बच्चे बाहर खेल रहे थे ।

ग. मुझे आज खाना नहीं खाना ।

घ. मोर के पंख सुंदर होते हैं ।

ड. वह गुस्से से बाहर निकल गया ।

3. नीचे दिए शब्दों को संधि करके लिखिए_

सूर्यास्त , विद्यालय, पराधीन, शिवालय ।

4. चरण अलग -अलग करके मात्राएं गिनिए_

प्रथम चरण (13) मात्रा द्वितीय चरण (11) मात्रा

सांच बराबर तप नहीं, झूठ बराबर पाप ।

तृतीय चरण (13) मात्रा चतुर्थ चरण (11) मात्रा

जाके हिरदे सांच है, ताके हिरदे आप ॥

